नदीतमे सरस्वति

You are cordially invited in

Seminar on

The Sarasvati River - The Cradle of Indian Civilization

Organised by

Haryana Sarasvati Heritage Development Board &

Centre of Excellence for Research on Sarasvati River (CERSR)

Kurukshetra University, Kurukshetra

in collaboration with R.K.S.D. College, Kaithal on

October 11, 2022 at 10:00 AM

Chief Guest

H.E. Dr. Roger Gopaul,

High Commissioner,

High Commission for the Republic of Trinidad and Tobago

Venue:

Seminar Hall, R.K.S.D. College, Kaithal

Dr. S.K. Goyal Principal, R.K.S.D. College, Kaithal	**Prof. Dr. A.R. Chaudhri** Director, CERSR, KU, Kurukshetra	**Sh. Vijayendra Kumar, IAS** Principal Secretary-cum-Chief Executive Officer, HSHDB	**Sh. Dhuman Singh Kirmach** Deputy Chairman, HSHDB

For further details contact: **Dr. Deepa Nathalia,** Research Officer
Mobile No.: 79866-68473

Seminar Organized by
Haryana Sarasvati Heritage Development Board
&
Centre of Excellence for Research on Sarasvati River (CERSR) Kurukshetra University, Kurukshetra in Collaboration with R.K.S.D College, Kaithal

SEMINAR PROGRAMME

The Sarasvati River- The cradle of Indian Civilization

October 11, 2022

Venue: Seminar Hall, R.K.S.D. College, Kaithal

10.00- 10.05 am:	Pushp Chakar
10.05- 10.10 am:	Tilak Ceremony
10.10 -10.15 am:	Lighting of the sacred lamp
10.15 -10.20 am:	Sarasvati Vandana
10.20 -10.25 am:	R.K.S.D. Gaan
10.25 -10.35 am:	Welcome by **Dr. S.K. Goyal**, Principal, R.K.S.D College, Kaithal
10.35 -10.50 am:	Introduction of the theme & Board Activities by **Sh. Dhuman Singh Kirmach**, Deputy Chairman, HSHDB
10:50 -11:00 am:	Address by **Chief Guest H.E. Dr. Roger Gopaul,** High Commissioner, High Commission for the Republic of Trinidad and Tobago
11:00 –11:10 am:	Address by **Guest of Honor Ms. Diana Khan,** Senior Cultural Diplomat, High Commission of the Cooperative Republic of Guyana
11:10 –11:45 am:	Address by **Prof. Dr. A. R. Chaudhri**, Director, CERSR, KUK
11:45 - 11:50 am:	Vote of thanks by **Dr. Deepa Nathalia**, Research Officer (Geo.), HSHDB
11:50 - 12.00 pm:	Presentation of mementoes

.....

Report of the Seminar

Seminar on 'Sarasvati River- The Cradle of Indian Civilization' was organized by the Department of Geography, RKSD College Kaithal in collaboration with Haryana Saraswati Heritage Development Board (HSHSB) Haryana, Panchkula and Centre of Excellence for Research on Sarasvati River (CERSR), KUK on 11 Oct. 2022. H.E. Dr. Roger Gopaul, High Commissioner, High Commission for the Republic of Trinidad and Tobago was the Chief Guest. Ms. Diana Khan, Senior Cultural Diplomat, High Commission of the Cooperative Republic of Guyana was the Guest of Honor. Prof. Dr. A. R. Chaudhri, Director, CERSR, KUK, Sh. Dhuman Singh Kirmach, Deputy Chairman, HSHDB and Dr. Deepa Nathalia, Research Officer (Geo.), HSHDB were the main dignitaries. Nearly 150 students participated in this seminar.

आर.के.एस.डी. (पी.जी.) कालेज में सैमीनार आयोजित

आए हुए कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, प्राचार्य डा. संजय गोयल व अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण।

कैथल, 11 अक्तूबर (महीपाल/ गौरव): आर. के .एस. डी. (पी.जी.) कालेज कैथल में हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डिवैल्पमैंट बोर्ड ने कालेज के साथ संयोजन में सैमीनार का आयोजन किया।

सरस्वती पूजन एवं वंदना के बाद प्राचार्य डा. संजय गोयल ने स्वागत भाषण दिया एवं अतिथियों का परिचय करवाया।

इसका थीम दि सरस्वती रिवर- दि कैं डल ऑफ इंडियन सिविलाइजेशन था। इसमें मुख्यातिथि एवं मुख्य वक्ता डा. रोजर गोपाल, हाई कमीशन त्रिनाड एंड टौबेगो रहे।

इनके अलावा धूम्मन सिंह किरमिच डिप्टी चेयरमैन हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डिवैल्पमैंट बोर्ड, ए.के. चौधरी, डायरैक्टर सैंटर ऑफ एक्सीलैंश फॉर रिसर्च आन सरस्वती रिवर, के.यू.के., अरविंद कौशिक सुपरिंटैंडैंट इंजीनियर, सरस्वती हैरिटेज सर्कल, हरियाणा एवं डा. दीपा नथालिया, रिसर्च ऑफिसर हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डिवैल्पमैंट बोर्ड रहे।

कालेज पहुंचने पर प्रधान प्रबंधन समिति साकेत मंगल एडवोकेट, प्राचार्य डा. संजय गोयल एवं अन्य प्राध्यापकवर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया।

सरस्वती पूजन एवं वंदना के बाद प्राचार्य डा. संजय गोयल ने स्वागत भाषण दिया एवं अतिथियों का परिचय करवाया।

सैमीनार संयोजक डा. रघुबीर लांबा ने सैमीनार के विषय को प्रस्तुत किया। डा. रोजर जिनके पूर्वज 1848 में त्रिनाड में जाकर बसे थे, ने भारत एवं इसकी संस्कृति के प्रति विशेष लगाव प्रदर्शित किया एवं इसे महानतम सभ्यता बताया।

उन्होंने कहा कि हम सभी को भारत की संस्कृति, साहित्य, भूगोल, हिमालय एवं नदियों पर गौरव होना चाहिए। ये सभी महान सभ्यता का परिचायक हैं। रामायण, महाभारत एवं गीता केवल कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत हैं। हमें इस विचार को गर्व के साथ स्थापित करना चाहिए।

उन्होंने सरस्वती नदी के महत्व को स्थापित करने के प्रयासों का समर्थन किया एवं इसे संसार का सबसे सृजनात्मक कार्य बताया।

धूम्मन सिंह ने हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डिवैल्पमैंट बोर्ड की गतिविधियों से रू-ब-रूकरवाते हुए अपना एजैंडा स्पष्ट किया कि धरातल पर जाकर इस नदी को पुनर्जीवन दिया जाएगा।

डा. ए.के. चौधरी ने इस विषय से जुड़े तकनीकी पक्षों को स्पष्ट किया एवं तर्क के साथ यह विचार स्थापित किया कि सरस्वती नदी थी, है एवं भविष्य में आप इसे मूर्त रूप में देखेंगे। डा. दीपा ने धन्यवाद प्रस्ताव पढ़ा।

डा. रितु बालिया ने मंच संचालन, प्रो. कपिल जैन ने रिफ्रैशमैंट, डा. विरेंद्र सिंह ने सीटिंग व्यवस्था को संभाला। डा. अशोक अत्रि एवं डा. एस.पी. वर्मा ने कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया।

Punjab Kesri 12-10-22